

---

## From the Chairman's Desk



**Dear Shareholders,**

I consider it an honour to place before you, your Bank's Annual Report for the year 2008-09. I would also like to share with you some of the significant achievements and initiatives undertaken by your Bank during the year.

During the year, India continued to remain the second fastest growing economy in the world, because of large domestic demand, especially from rural India, Govt. investments, a stable financial services sector, fall in inflation and prompt coordinated policy action on multiple fronts. This is despite the fact that the scenario of global economy during the year gone by was one of the most challenging. Its effects are not going to be completely wiped out even in the current year. Its impact on India, however notwithstanding today's globalised world, has not been very severe, though it did somewhat affect industrial production, GDP growth and exports.

On the macro-economic front, we believe that the worst is over. The Indian economy is showing signs of revival with growth reviving across sectors like cement, steel, auto, telecom, banking and FMCG. Further, demand from the rural sector which was the mainstay of the economy last year is expected to continue to propel growth in the current year. With a new, stable Government in place, our expectation for the GDP growth in 2009-10 is in excess of 7%.



विश्व और देश दोनों में आर्थिक गतिविधियों के धीमी रहने के बावजूद आपके बैंक का प्रदर्शन बेहतरीन रहा। कुल व्यवसाय में रु. 3,30,404 करोड़ की उत्साहवर्धक वृद्धि, लाभ में शानदार बढ़ोतरी के साथ-साथ एनपीए कम करने में भी हमारे प्रयास सफल रहे। आपका बैंक वित्त वर्ष 2009 में भी निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। बैंक ने इस वर्ष अपने शाखा विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत 807 नई शाखाएँ खोलीं जिनमें से अधिकांश (481) ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्रों में थीं। बैंक ने अपने एटीएम नेटवर्क का भी विस्तार किया। वित्त वर्ष 2009 के अंत तक इसमें 44% की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई जिससे इसके एटीएमों की संख्या 8581 पर पहुँच गई। वर्ष के दौरान आपके बैंक की एक और बड़ी उपलब्धि यह रही कि बैंक की सभी 11448 शाखाओं को कोर बैंकिंग से जोड़ दिया गया। बैंक का कोर बैंकिंग नेटवर्क विश्व के सबसे बड़े नेटवर्कों में अग्रणी है जो एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। वर्ष की एक अन्य महत्वपूर्ण घटना रही - आपके बैंक द्वारा अपने पूर्ण स्वामित्व वाले सहयोगी स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र का अभिग्रहण।

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि आपके बैंक ने अपने निवल लाभ में 35.55% की जबरदस्त वृद्धि दिखाई है। वित्त वर्ष 2009 में बैंक ने रु. 9,121 करोड़ का लाभ अर्जित किया जो वित्त वर्ष 2008 के रु. 6,729 करोड़ की तुलना में अच्छा खासा है। परिचालन लाभ में भी वित्त वर्ष 2009 में 36.68% की खासी वृद्धि दर्ज की गई और यह रु. 17,915 करोड़ पर पहुँच गया। ऐसा वित्त वर्ष 2009 में निवल ब्याज आय के 22.63% की उत्साहजनक वृद्धि के साथ रु. 20,873 करोड़ हो जाने के कारण हुआ। निवल ब्याज आय में यह बढ़ोतरी अग्रिमों की वृद्धि दर और प्रतिलाभ बढ़ने से हुई। इसमें अन्य आय का भी योगदान रहा जो 45.96% बढ़कर रु.12,691 करोड़ पर पहुँच गई।

वित्त वर्ष 2009 में आर्थिक विकास दर के धीमे रहने के संकेतों के बावजूद आपके बैंक ने ब्याज आय में 30.31% के साथ साथ शुल्क आधारित प्रमुख आय में भी 28.7% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। हालाँकि परिचालन खर्च में वर्ष के दौरान पेंशन और वेतन संशोधन तथा अतिरिक्त स्टाफ की भर्ती के लिए अधिक प्रावधान किए जाने के कारण स्टाफ लागत बढ़ने से 24.11% की बढ़ोतरी हुई, पर आय की तुलना में खर्च के अनुपात में काफी कमी (2.41%) लाई गई जो वित्त वर्ष 2008 के 49.03% के स्तर से कम होकर वित्त वर्ष 2009 में 46.62% पर आ गया। ब्याज स्प्रेडों पर दबाव और कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद आपके बैंक का निवल ब्याज मार्जिन वित्त वर्ष 2009 में 2.93% रह सकता है।

वर्ष 2008-09 के दौरान आपके बैंक में सभी व्यवसाय / बाजार खंडों में शानदार वृद्धि देखी गई। इस वर्ष की खास बात यह रही कि बैंक के अग्रिमों और जमाराशियों दोनों की वृद्धि दर ऊंची रही





---

Even in this slowdown, both global and domestic, your Bank has turned in a brilliant performance with a splendid growth of Rs. 3,30,404 crores in total business, impressive rise in profits and containment of NPAs. At the same time, your Bank continued to be on the growth trajectory during FY-09 in respect of branch expansion with as many as 807 new branches being opened, a majority of which (481) were in rural and semi-urban areas. The Bank also increased its ATM network by an impressive 44% to 8581 by the end of FY-09. Another important milestone achieved by your Bank during the year was the extension of coverage under the Core Banking Platform to cover all its 11448 Branches. This is one of the largest core banking networks in the world and growing, and is no small achievement. Another significant event during the year was acquisition of State Bank of Saurashtra, a wholly owned Associate of your Bank, by your Bank.

You will be happy to note that your Bank showed an impressive growth of 35.55% in Net Profit from Rs.6,729 crores in FY-08 to Rs. 9,121 crores in FY-09. Operating Profits too posted a smart growth of 36.68% to Rs. 17,915 crores in FY-09 on the back of a healthy increase of 22.63% in Net Interest income to Rs.20,873 crores in FY-09, driven by growth in advances and increase in yields as also an increase of 45.96% to Rs.12,691 crores in other income.

Notwithstanding the economic slow down evidenced in the FY-09, your Bank registered an impressive increase in interest income which rose by 30.31% as also a significant increase in core fee income which showed a growth of 28.7%. Even though operating expenses rose by 24.11%, attributable primarily to increase in staff costs on account of additional provisions for pension and wage revision and recruitment of additional staff during the year; cost to income ratio was brought down significantly (2.41%) from 49.03% in FY-08 to 46.62% in FY-09. Despite pressure on interest spreads and intense competition, your Bank could still record a Net Interest margin (NIM) of 2.93% in FY-09.

During the year 2008-09, your Bank saw excellent growth in all businesses/market segments in which it operates. A significant feature during the year was your Bank's high growth in both Advances and





और यह उद्योग के औसत से भी ऊपर चली गई। इस कारण इनके बाजार अंश में भी अच्छी वृद्धि हुई।

आपके बैंक की जमा राशियों में वर्ष 2008-09 में 38.08% की बढ़ोतरी हुई जो अन्य अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की वृद्धि दर 16.55% से काफी अधिक है। इस कारण मार्च 2009 में जमा राशियों में बैंक का बाजार अंश 2.31% के स्तर से जबरदस्त वृद्धि के साथ 17.72% पर पहुंच गया। कम लागत वाली चालू खाता - बचत खाता (कासा) जमा राशियों पर लगातार ध्यान देने के कारण वर्ष के दौरान इनकी वृद्धि दर 23% रही। मांग जमा राशियों में भी आपके बैंक का बाजार अंश 3.67% के स्तर से अत्यधिक बढ़कर 17.53% हो गया। थोक जमा राशियों पर निर्भरता कम करने की अपनी रणनीति के अंतर्गत आपके बैंक द्वारा कुल जमा राशियों में थोक जमा राशियों का प्रतिशत वित्त वर्ष 2008 के 14.13% के स्तर से घटाकर 10.81% पर लाया गया।

इसी तरह, बैंक के अग्रिमों में रु. 1,25,735 करोड़ (30.17%) की जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई। अग्रिमों में 30.17% की यह वृद्धि अन्य अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की 16.13% वृद्धि दर की तुलना में काफी अधिक है, इससे वर्ष के अंत तक अग्रिमों में बैंक का बाजार अंश 0.83% बढ़कर 16.03% हो गया। अग्रिमों में यह वृद्धि प्रत्येक व्यवसाय खंड में देखी गई (बड़े अग्रिम - 47%, मध्य कारपोरेट अग्रिम - 23%, एसएमई अग्रिम - 20%, रिटेल अग्रिम - 18%, कृषि अग्रिम - 19%, अंतरराष्ट्रीय अग्रिम - 54%), जिससे अग्रिमों में सर्वांगीण वृद्धि हुई। खुदरा ऋण लगातार आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। वर्ष के दौरान शिक्षा ऋणों में (50%), वाहन ऋणों में (36%) और आवास ऋणों में (21%) वृद्धि हुई। इससे गृह ऋणों में बाजार अंश को 17.48% से बढ़ाकर 19.74% और नए वाहनों के लिए दिए जाने वाले ऋणों में बाजार अंश को 10% से बढ़ाकर 12% करने में मदद मिली। लघु एवं मध्यम उद्यमों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने विशेषकर अर्थव्यवस्था के धीमी होने के कारण निर्यात - आवश्यकताओं को देखते हुए आपके बैंक द्वारा दो नई योजनाएं - एसएमई केयर और एसएमई हेल्प खास तौर पर प्रभावित लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए शुरू की गई। इन योजनाओं के अंतर्गत आसान शर्तों पर और 8% की रियायती ब्याज दर पर वित्त उपलब्ध कराया गया।

कृषि खंड के लिए अग्रिम उपलब्ध कराने में आपके बैंक का प्रदर्शन लगातार दूसरी बार भारतीय रिज़र्व बैंक के न्यूनतम निर्धारित लक्ष्य 18% से अधिक रहा। नए ऋणों के संवितरण और नए किसानों को वित्तपोषण के मामले में भी बैंक का निष्पादन भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों से ऊपर रहा। 'हर भारतीय का बैंक' बनने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत आपके बैंक ने ग्राहक सेवा केंद्रों/व्यवसाय प्रतिनिधियों/व्यवसाय सहयोगियों की संख्या बढ़ाकर 17,979 कर दी है और यह पूर्ववर्ती बिना बैंक की सुविधा वाले



Deposits which exceeded the industry average, leading to a significant increase in its market share.

Deposits of your Bank grew by 38.08% in 2008-09 against Other Scheduled Commercial Banks (OSCB) growth of 16.55%, leading to a spurt in its market share in deposits by 2.31% to 17.72% by March 2009. With continued focus on low cost CASA deposits which registered a growth of 23% during the year, your Bank's market share in demand deposits also rose sharply by 3.67% to 17.53%. As a part of strategy, your Bank reduced its reliance on bulk deposits as a percentage of total deposits to 10.81% from 14.13% in FY-08.

Similarly, the Bank's advances portfolio witnessed a robust growth (30.17%) of Rs.1,25,735 crores. This growth of 30.17% in advances as against OSCB growth of 16.13% pushed up your Bank's market share in advances by 0.83 % to 16.03% by the year end. The growth in advances was well rounded with every Segment (Large advances – 47%, Mid Corporate advances – 23%, SME advances – 20%, Retail advances – 18%, Agri. advances – 19%, International advances – 54%), contributing to the overall growth in advances. Retail lending continued to occupy centre stage with a growth in Education Loans (50%), Auto Loans (36%) and Housing Loans (21%) during the year. This also helped improve market share from 17.48% to 19.74% in respect of Home Loans and from 10% to 12% in respect of Auto Loans for new vehicles. To offer timely help to SMEs, which were reeling under the impact of slow down in the economy particularly exports, your Bank launched two new schemes – SME CARE and SME HELP – offering the affected SMEs, finance on liberalised terms at a concessional rate of interest of 8%.

In advances to the Agriculture segment, your Bank continued to be above the 18% benchmark stipulated by RBI for the second time consecutively. It also surpassed the targets set by the Govt. of India in respect of credit flow by way of fresh disbursements as also the number of new farmers financed. In pursuit of its desire to be the **“Banker to every Indian”**, your Bank has gone in for aggressive expansion in the number of Customer Service Points/BCs/BFs to 17,979



52,782 गांवों में इस समय अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहा है और चालू वर्ष में बिना बैंक की सुविधा वाले 50,000 अतिरिक्त गांवों को शामिल करने की योजना है। आपका बैंक नवीनतम और सर्वोत्तम प्रौद्योगिकी का उपयोग कर संपूर्ण वित्तीय समावेशन के लक्ष्य की प्राप्ति करने के लिए कृतसंकल्प है। वर्ष 2008-09 के अंत तक ग्राहक की बायोमीट्रिक पहचान पर आधारित 23.61 लाख स्मार्ट कार्ड जारी किए गए।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी आपका बैंक वैश्विक गिरावट के बावजूद 17.7% (अमरीकी डॉलर में), अर्थात् 17.07 बिलियन यूएस डॉलर की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करने में सफल रहा और बैंक उच्च संभावना वाले देशों में भारत संबद्ध व्यवसाय अर्जित करने की अपनी रणनीति पर लगातार ध्यान केंद्रित करता रहा। वर्ष के दौरान मॉरीशस स्थित बैंक की अनुषंगियों में से दो का विलय कर एसबीआइ (मॉरीशस) लिमिटेड नामक एक नई कंपनी का गठन किया गया, जबकि आपके बैंक ने अपनी अनुषंगियों एवं संयुक्त उद्यमों के साथ सिंगापुर में पूर्णस्तरीय रिटेल परिचालनों सहित विदेशों में 9 नए कार्यालय खोले। इससे विदेश स्थित कार्यालयों की संख्या बढ़कर 92 हो गई है, जो 32 देशों में फैले हैं। वैश्विक बाजार में अनिश्चितता की स्थिति के बीच आपके बैंक के विदेश स्थित कार्यालयों में नकदी की स्थिति सुविधाजनक रही और आपका बैंक मीडियम टर्म नोट्स कार्यक्रम तथा द्विपक्षीय ऋणों के तहत 686 मिलियन अमरीकी डॉलर की राशि जुटा पाया।

एनपीए को नियंत्रित करना वर्ष 2008-09 के दौरान आपके बैंक के निष्पादन की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। सकल एनपीए वित्त वर्ष 2008 के 3.04 प्रतिशत के स्तर से घटकर वित्त वर्ष 2009 में 2.84 प्रतिशत के स्तर पर आ गए, जबकि निवल एनपीए का स्तर वित्त वर्ष 2008 के 1.78 प्रतिशत के मुकाबले 1.76 प्रतिशत पर रहा जिसे स्थिर ही कहा जाएगा। इसी प्रकार, बेसल-II के निर्धारित मानदंडों के अनुसार आपके बैंक का पूँजी पर्याप्तता अनुपात वित्त वर्ष 2009 में बढ़कर 14.25 प्रतिशत के स्तर पर आ गया। यह अनुपात जहां एक ओर विश्वभर के विनियामकों की अपेक्षाओं की पूर्ति करने के लिए पर्याप्त है, वहीं विश्व के सर्वोत्तम बैंकों के अनुपात के भी समतुल्य है।

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि वित्त वर्ष 2009 के दौरान आपके बैंक के सहयोगियों का निष्पादन भी उल्लेखनीय रहा। उनके निवल लाभ में 24.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह रु. 2774 करोड़ रहा तथा कुल आस्तियों में 18.95 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में अपनी स्थिति/श्रेणी को मजबूत कर गैर-बैंकिंग अनुषंगियों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा।

आपके बैंक ने पिछले दो वर्षों में नए व्यवसाय के लिए अनेक प्रकार के प्रयास किए, जिनका लाभ अब मिलने लगा है। वर्ष 2008-09 के दौरान आपके बैंक के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी एसबीआई



which now cater to 52,782 previously un-banked villages, with plans to cover additional 50,000 un-banked villages in the current year. Your Bank is firm in its resolve to achieve total financial inclusion through the use of the latest and best technology. As at the end of 2008-09, as many as 23.61 lakh Smart Cards, which work on biometric validation of the customers, had been issued.

In the international arena too, your Bank, despite the global meltdown, achieved a significant growth of 17.7% (in USD terms) in credit to USD 17.07 billion and continued to focus on its core strategy of capturing India related business in high potential countries. While two of the Bank's subsidiaries in Mauritius were merged during the year to create a new entity called SBI (Mauritius) Ltd., your Bank along with its subsidiaries and Joint Ventures abroad opened 9 new offices, including full-fledged retail operations in Singapore, taking the total network of overseas offices to 92 spread over 32 countries. Amidst turmoil in global markets, your Bank's foreign offices maintained a comfortable liquidity position and could raise US \$ 686 million under Bank's Medium Term Notes (MTNs) programme and bilateral loans.

Another noteworthy feature of your Bank's performance during the year 2008-09 has been in the area of controlling NPAs. While Gross NPAs declined marginally to 2.84% in FY-09 from 3.04% in FY-08, Net NPA level too was practically stable at 1.76% as against 1.78% in FY-08. Similarly, your Bank's Capital Adequacy Ratio (CAR) in terms of prescriptions of BASEL-II increased to 14.25% in FY-09. This healthy ratio not only meets the requirements of the regulators worldwide but is also comparable to the best banks globally.

You will be happy to know that the performance of the Associates of your Bank during FY-09 has also been noteworthy with an increase of 24.7% in net profit to Rs.2774 crores and 18.95% in total assets. The non-banking subsidiaries, too, put up a good show with consolidation of their position/ranking in their space in the financial services arena.

Your Bank embarked on several new business initiatives during the last two years which have started bearing fruit. During the year



पेंशन फंड प्राइवेट लिमिटेड ने नई पेंशन व्यवस्था के अंतर्गत पेंशन निधियों के प्रबंधन का कार्य शुरू कर दिया। अभिरक्षा सेवा व्यवसाय करने के लिए सोसाइटी जनरल सिक्युरिटीस सर्विसेस के साथ गठित संयुक्त उद्यम के वर्ष 2009-10 की दूसरी तिमाही में कारोबार शुरू करने की संभावना है। इसी तरह साधारण बीमा व्यवसाय करने के लिए आपके बैंक द्वारा इंश्योरेंस आस्ट्रेलिया ग्रुप के साथ नवंबर 2008 में गठित एक अन्य संयुक्त उद्यम के भी वर्ष 2009-10 की अंतिम तिमाही में कारोबार शुरू करने की संभावना है।

आपका बैंक आस्ट्रेलिया के मैकवारी कैपिटल ग्रुप तथा आइएफसी, वाशिंगटन के साथ 3 बिलियन अमरीकी डॉलर के प्राइवेट ईक्विटी फंड की स्थापना के लिए सभी नियामकों से अनुमोदन प्राप्त कर चुका है। इस फंड का निवेश प्रारंभ में भारत की इन्फ्रास्ट्रक्चर आस्तियों में किया जाएगा। मध्य पूर्व देशों के साथ कुछ अन्य फंडों की स्थापना का कार्य कई स्तरों पर चल रहा है। आपका बैंक मोबाइल बैंकिंग तथा भुगतान समाधान व्यवसाय के समेकन के क्षेत्र में नई पहलों पर कार्य कर रहा है जिससे परिचालनों को दक्ष, किफायती तथा दोहराव रहित बनाया जा सके।

हमेशा की तरह ग्राहक-सेवा और ग्राहक संतुष्टि हमारे प्रयासों में सर्वोपरि रही। इस दिशा में आपके बैंक ने 1 जुलाई 2008 को अपने नए विज्ञान, मिशन और मूल्य कथन जारी किए, जो बैंक के स्टाफ-सदस्यों के विचारों पर आधारित हैं। विज्ञान कथन - **“मेरा भारतीय स्टेट बैंक, मेरा ग्राहक सर्वोपरि, मेरा SBI : ग्राहक-संतुष्टि में प्रथम”** - बैंक की ग्राहक के प्रति प्रतिबद्धता का परिचायक है तथा यह आपके बैंक की भावी योजनाओं, गतिविधियों एवं कार्यनीतियों में मार्गदर्शक होगा। वर्ष के दौरान हमारा बैंक-व्यापी संवाद कार्यक्रम **“परिवर्तन”** हमारे सभी सहयोगी बैंकों के साथ-साथ आपके बैंक के 44,000 अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए भी आयोजित किया गया। अगले दो वर्षों में **“सिटीजन एसबीआई”** नामक एक नया कार्यक्रम शुरू करना प्रस्तावित है, जिसमें मानव संसाधन के जरिए संगठन में बहुस्तरीय अभिवृत्तिपरक परिवर्तन एवं रूपांतरण की संकल्पना की गई है। आपके बैंक ने अपने ग्राहकों को सप्ताह में 24X7 आधार पर उत्पादों एवं खातों की जानकारी देने के लिए एक टोल फ्री नंबर वाला संपर्क केंद्र भी खोला है।

वित्त वर्ष 2009 के दौरान आपके बैंक ने 33,703 स्टाफ की भर्ती की, जो विश्व में बैंकिंग क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी भर्ती है। इससे आपका बैंक विपणन पर अधिक ध्यान देने, दक्ष ग्राहक-





---

2008-09, your Bank's wholly owned subsidiary – SBI Pension Fund Pvt. Ltd. – started functioning to manage pension funds under New Pension System (NPS). A Joint Venture formed with Societe Generale Securities Services for undertaking custodial services business is likely to commence business during the second quarter of 2009-10. Similarly, another Joint Venture with Insurance Australia Group (IAG) established by your Bank in November 2008 to undertake business of General Insurance is likely to commence business in the last quarter of 2009-10.

Your Bank has already received all regulatory approvals for establishing a US \$ 3 Billion Private Equity Fund jointly with Macquarie Capital Group of Australia and IFC, Washington. The Fund will be investing primarily in infrastructure assets in India. Some other funds with Middle East countries are also in various stages of being set up. Your Bank is also working on new initiatives in the area of Mobile Banking as also consolidation of Payment Solutions business to achieve efficiency in operations, reduce costs and avoid duplication of efforts.

As always, customer service and customer satisfaction remains at the core of our efforts. In this direction, your Bank unveiled on the 1st July 2008, its new Vision, Mission and Values statements, which were based on views of the Bank's staff. The vision statement – **My SBI, My Customer First, My SBI: First in Customer Satisfaction** – vividly describes its customer centric focus and shall be the guiding principle for your Bank's plans, activities and strategies in future. Our mass international communication programme “**Parivartan**” was extended during the year to cover all Associate Banks as also 44,000 subordinate staff of your Bank. A new programme named “**Citizen SBI**”, which envisages deep routed multilevel attitudinal change and transformation in the organization through waves of HR intervention, is proposed to be rolled over in next two years. Your Bank also opened a contact centre for providing to customers on a toll free number, information on products and account enquiries on 24x7 basis.

Your Bank recruited 33,703 staff during FY-09 which was the largest such recruitment exercise in the banking sector anywhere in the



सेवा प्रदान करने और अपने स्टाफ में कम आयु वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाने जैसे उपाय लागू कर पाएगा।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपके बैंक के निदेशक बोर्ड ने 31 मार्च 2009 को समाप्त वर्ष के लिए 290 प्रतिशत लाभांश घोषित किया है।

यह स्वाभाविक ही है कि आपके बैंक द्वारा किए गए प्रयासों एवं पहलों की समाज ने सराहना की। वर्ष के दौरान कई पुरस्कार प्राप्त करना आपके बैंक के लिए गर्व का विषय है। बैंक को प्राप्त इन पुरस्कारों में 'बैंकर' पत्रिका का "बैंक ऑफ द इयर 2008 - इंडिया" पुरस्कार, केपीएमजी का "मोस्ट एडमाइर्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंशियर" पुरस्कार, डन एंड ब्राडस्ट्रीट का "टॉप पब्लिक सेक्टर बैंक अंडर एसएमई फाइनेंसिंग", एशिया मनी द्वारा अध्यक्ष को दिया गया "बेस्ट एक्जिक्यूटिव" पुरस्कार उल्लेखनीय हैं। "फॉर्चून" 500 ग्लोबल सूची, "फोर्ब्स" की विश्व की 2000 सबसे बड़ी कंपनियों की सूची, "बैंकर" पत्रिका की विश्व के शीर्ष 1000 बैंकों की सूची, ब्रांड फाइनेंस-ग्लोबल 500 फाइनेंशिएल ब्रांड रिकग्निशन आदि में आपके बैंक ने अपनी रैंकिंग में सुधार किया है।

आज विश्व के तेजी से विकसित हो रहे देशों में भारत अग्रणी है और वह आने वाले वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक व्यापक भूमिका निभाने वाला है। आपका बैंक इसे एक अवसर और चुनौती के रूप में देखता है। मैं आपको आश्चस्त करना चाहता हूँ कि आपका बैंक इस अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रयास करेगा और भविष्य में विकास का एक नया सिलसिला शुरू करेगा।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ,

आपका,

(ओम प्रकाश भट्ट)



world. This will help your Bank to maintain its marketing thrust, extend efficient customer service and reduce the age profile of its staff.

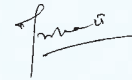
I am happy to announce that the Board of Directors of your Bank declared a dividend of 290% for the year ended 31st March 2009.

It is but natural that the efforts and initiatives undertaken by your Bank are recognized by Society. Your Bank was the proud recipient of many recognitions/awards during the year, the notable among them being **“Bank of the Year 2008 – India” – by the Banker Magazine**, “Most Admired Infrastructure Financier” Award by KPMG, “Top Public Sector Bank under SME Financing” by Dun and Bradstreet and “Best Executive” Award to the Chairman by Asia Money. Your Bank also improved its ranking in “Fortune” 500 Global List, “Forbes” list of 2000 largest companies in the world, “Banker” list of top 1000 world banks, Brand Finance – Global 500 Financial Brand recognition, to name a few.

Today, India remains among the fastest growing countries of the world and is poised to play a greater role in the global economy in the year to come. Your Bank sees this as an opportunity and a challenge. I wish to assure you that your Bank will try to capitalize on this and blaze a new trail of growth in future.

With warm regards,

Yours sincerely,



**(OM PRAKASH BHATT)**